नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक..... दिनांक : 25-09-2019

प्रकाशनार्थ

(शिक्षण के प्रतिमान विषय पर बी.एड् विभाग में विशिष्ट व्याख्यान)

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर **बी.एड्. विभाग** में **"शिक्षण के प्रतिमान"** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. राजशरण शाही** ने कहा कि शिक्षण के प्रतिमान शिक्षण व्यवस्था का उन्नत बनाने के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होते हैं। ये कक्षा शिक्षण में सुधार लाते हैं और उपयुक्त वातारण का निर्माण कर छात्रों के व्यवहारों में वांछित परिवर्तन करने में सफल होते है। विद्यालयों के विभिन्न विषयों के शिक्षण में आवश्यकतानुसार विशिष्ट प्रतिमानों का प्रयोग कर उत्तम शिक्षण प्रदान किया जा सकता है। ये प्रतिमान शिक्षण प्रक्रिया में अनुसंधान कार्य के लिए विशाल क्षेत्र प्रदान करता है।

डॉ. राजशरण शाही ने शिक्षण के सभी प्रतिमानों पर विस्तृत प्रकाश डाला, साथ ही आपने कहा कि शिक्षण की कुशलता में वृद्धि शिक्षण के मॉडलों पर प्रभुत्व प्राप्त करना कहा जा सकता है। जब एक शिक्षक में प्रभावशाली ढंग से मॉडलों को प्रयोग करने की योग्यता बढ़ जाती है तो उसकी कुशलता में भी वृद्धि हो जाती है। उत्तम अध्यापक शिक्षण के नये मॉडलों की रचना स्वयं करते है और अपने शिक्षण कार्य के समय उनका परीक्षण करते है। बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक संतोष कुमार गुप्ता ने प्रश्न किया कि क्या शिक्षण मूल्यांकन में केवल विद्यार्थी का मूल्यांकन होता है। बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापक सुनील गुप्ता ने प्रश्न किया कि यह पाठ योजना के अनुदेशनात्मक उद्देश्य को क्या शिक्षण के दौरान बता देना चाहिए। अन्य छात्रों के का समाधान किया किया। कार्यक्रम का संचालन नवनीत सिंह ने तथा आभार ज्ञापन रचना सिंह ने किया। इस अवसर पर बी. एड् विभाग से शिप्रा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, विभा सिंह, श्वेता चौबे, साधना सिंह, पुष्पा निषाद शैलेन्द्र सिंह जितेन्द्र सिंह सहित बी.एड्. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्राध्यपक–छात्राध्यापिका उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी